गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः।
तत्सवितुर्वरैण्यम् भर्गो देवस्य धीमहि।
धियो यो नः प्रचोदयात्॥

ॐ = ओऽम् = ओ३म् - ईश्वर को सम्बोधन

भूः - धरती ; भुवः - भू / वायु मंडल ? ; स्वः - स्वर्ग
[भूर्भुवः स्वः - सर्वव्यापक ? स्वयं उत्पन्न ? स्वयं-भू!]

तत् - उस ; सवितः - सूर्य / प्रकाशक ;
वरेण्यं - ग्रहण करने योग्य

भर्गो - शक्ति (पाप / बुराई नाशक) ; देवस्य - देव की ;
धीमहिः - हम ध्यान करें

धियो - धियः का बहुवचन ; धियः - बुद्धि ; यो - जो
(यः - यह) ; नः - हमारी ; प्रचोदयात् - प्रेरित करें

ISE - Aditi Info. Typesetted using 'Akhil HE' a Unicode OT font.